

भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3754
11 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

विषय- ऑयल पाम की खेती को प्रोत्साहन

3754. श्री कोडिकुत्रील सुरेश:

श्री एंटो एन्टोनी:

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2021 से देश में राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम (एनएमईओ-ओपी) के अंतर्गत पाम ऑयल की खेती के अंतर्गत लाए गए क्षेत्र, उत्पादन के अधीन क्षेत्र और उत्पादित कच्चे पाम तेल का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार और केरल के लिए जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) इस मिशन के अंतर्गत लगाए गए पाम ऑयल बागानों की उत्तरजीविता की दर क्या है और इसमें लगाए गए अथवा परित्यक्त क्षेत्र का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) केरल के दक्षिणी क्षेत्र में प्रोत्साहित पाम ऑयल की खेती का ब्यौरा क्या है और कवर किए गए क्षेत्र, लाभार्थी किसानों की संख्या, प्रदान की गई वित्तीय सहायता और वृक्षारोपण की वर्तमान स्थिति क्या है;

(घ) क्या सरकार ने पाम ऑयल की संधारणीय खेती के लिए इस क्षेत्र की कृषि-जलवायु परिस्थितियों की उपयुक्तता का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और निष्कर्ष क्या हैं;

(ङ) देश में केरल सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार पाम ऑयल प्रसंस्करण मिलों की संख्या कितनी है, उनकी प्रसंस्करण क्षमता कितनी है और ताजे फलों के गुच्छों (एफएफबी) की खरीद के लिए राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार क्या व्यवस्था की गई है; और

(च) केरल में, विशेषकर दक्षिणी क्षेत्र में, एनएमईओ-ओपी के अंतर्गत प्रसंस्करण अवसंरचना, किसानों की सहायता, सुनिश्चित खरीद और उत्पादकता में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं अथवा उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): वर्ष 2021-22 से राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम (एनएमईओ-ओपी) के अंतर्गत, 2.98 लाख हेक्टेयर भूमि पर ऑयल पाम की खेती की जा रही है। चूंकि ऑयल पाम एक बारहमासी फसल है जिसका विकास काल (जेस्टेशन) लगभग 4-5 वर्ष होता है, अतः इस मिशन के अंतर्गत बोई गई अधिकांश भूमि पर अभी तक पूर्ण रूप से फसल उगना शेष है। वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक कच्चे ऑयल पाम (सीपीओ) का उत्पादन 20.10 लाख टन रहा। राज्यवार क्षेत्रफल और सीपीओ उत्पादन का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है, जबकि केरल के लिए जिलावार विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है।

(ख): विभिन्न राज्यों में प्रबंधन पद्धतियों, सिंचाई की उपलब्धता और मृदा संबंधी दशाओं के आधार पर ऑयल पाम के बागानों की उत्तरजीविता दर भिन्न-भिन्न होती है। आईसीएआर-भारतीय ऑयल पाम अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईओपीआर) द्वारा अनुशंसित वैज्ञानिक पद्धतियों का पालन करने पर ही पूर्ण उत्तरजीविता दर प्राप्त की जा सकती है। इस मिशन के कार्यान्वयन के दौरान, किसी भी राज्य ने वृक्षारोपण की विफलता के कारण किसी भी क्षेत्र को छोड़े जाने या पूर्ण पुनरोपण की आवश्यकता होने की सूचना नहीं दी है। इसके अलावा, यह मिशन इष्टतम पौध संख्या बनाए रखने और उत्पादकता को कायम रखने के लिए जहां भी आवश्यक हो, रिक्त स्थान भरने/पुनरोपण के लिए सहायता प्रदान करता है।

(ग): इस मिशन अवधि के दौरान, केरल के दक्षिणी क्षेत्र में 312.94 हेक्टेयर क्षेत्र में ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा दिया गया है। 17 ऑयल पाम किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए 386.881 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

(घ): आईसीएआर-आईआईओपीआर पुनर्मूल्यांकन समिति की रिपोर्ट (2020) द्वारा कृषि-जलवायु उपयुक्तता और भूमि उपयुक्तता संबंधी मापदंडों के वैज्ञानिक मूल्यांकन के आधार पर देश में ऑयल पाम की खेती के लिए 27.99 लाख हेक्टेयर संभावित क्षेत्र की पहचान की गई।

(ङ): केरल सहित राज्यवार प्रचालनशील प्रोसेसिंग मिलों और उनकी प्रोसेसिंग क्षमता का विवरण **अनुबंध-III** में दिया गया है। ऑयल पाम कंपनियां एनएमईओ-ओपी के अंतर्गत निर्धारित मूल्य आश्वासन तंत्र के अनुसार किसानों से उनके अपने संबंधित केचमेंट क्षेत्रों में ताजे फलों के गुच्छे (एफएफबी) खरीदती हैं।

(च): सरकार संपूर्ण ऑयल पाम मूल्य श्रृंखला को सुदृढ़ करने के लिए एनएमईओ-ओपी के तहत कई कार्यकलाप कर रही है जिसमें केरल में किए जा रहे कार्यकलाप भी शामिल हैं। इन कार्यकलापों में प्रोसेसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के लिए सहायता, गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री की उपलब्धता, बीज नर्सरी और बीज उद्यानों की स्थापना, विकास अवधि (जेस्टेशन) के दौरान रखरखाव और अंतर्फल में सहायता, सूक्ष्म सिंचाई, कृषि मशीनीकरण, पुनःरोपण और किसानों का क्षमता निर्माण शामिल हैं। वैज्ञानिक रूप से चिह्नित उपयुक्त क्षेत्रों में ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा देने और किसानों, प्रोसेसिंग इकाइयों और ऑयल पाम कंपनियों के लिंकेज को सुदृढ़ करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं ताकि एफएफबी (ताजा फलों के गुच्छों) की समय पर कटाई, खरीद और प्रोसेसिंग को सुगम बनाया जा सके। इसके अतिरिक्त, मूल्य निर्धारण तंत्र अंतरराष्ट्रीय कच्चे ऑयल पाम के मूल्य में उतार-चढ़ाव से सुरक्षा प्रदान करके ऑयल पाम किसानों को आश्वासन प्रदान करता है।

मिशन अवधि के दौरान राज्यवार क्षेत्र संबंधी उपलब्धियां और उत्पादित सीपीओ

क्रम संख्या	राज्य	क्षेत्र संबंधी उपलब्धि (हेक्टेयर में)	सीपीओ उत्पादन (टन में)
1	आंध्र प्रदेश	103454	1686698
2	छत्तीसगढ़	4510	-
3	गोवा	63	1177
4	गुजरात	640	-
5	कर्नाटक	7481	16952
6	केरल	434	23004
7	ओडिशा	10582	2584
8	तमिलनाडु	1579	5969
9	तेलंगाना	104825	265910
10	अरुणाचल प्रदेश	25164	2977
11	असम	17379	-
12	मणिपुर	285	-
13	मिजोरम	5046	4779
14	नागालैंड	9298	-
15	त्रिपुरा	7656	-
	कुल	298394	2010050

अनुबंध- II

केरल में मिशन अवधि के दौरान प्राप्त क्षेत्रफल और उत्पादित सीपीओ का जिलावार विवरण

क्रम संख्या	ज़िला	प्राप्त क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	सीपीओ उत्पादन (टन में)
1	तिरुवनंतपुरम	1.45	-
2	कोल्लम	307.66	155.23
3	पतनमतिट्टा	1.08	472.28
4	आलपुझा	2.75	166.13
5	कोट्टयम	2.59	581.60
6	एरनाकुलम	6.55	92.33
7	मलप्पुरम	4.87	14.19
8	वयनाडु	4.57	113.50
9	काज़रगोड़	1.40	-
10	इडुक्की	41.02	3.70
11	अन्य	60.13	0.31
	कुल	434.07	1599.3

वर्तमान तिथि तक प्रचालनशील ऑयल पाम प्रोसेसिंग मिलों का विवरण

क्रम संख्या	राज्य का नाम	स्थान	एजेंसी	क्षमता (टीपीएच)
1	आंध्र प्रदेश (15 मिल)	पेद्दापुरम, काकीनाडा (डी)	पतंजलि फूड्स लिमिटेड	105
2		अम्पापुरम, कृष्णा (डी)	पतंजलि फूड्स लिमिटेड	55
3		च. पोथीपल्ली, एलुरु (डी)	गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड	60
4		चिंतामपल्ली, चिंतालपुडी, एलुरु (डी)	गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड	70
5		सीतानगरम, चिंतालपुडी, एलुरु (डी)	गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड	60
6		जनगारेडुगुडेम, एलुरु (डी)	नवभारत एग्रो प्रोडक्ट्स लिमिटेड	180
7		येरनागुडेम, ताडेपल्ली गुडेम, एलुरु (डी)	3एफ ऑयल पाम लिमिटेड	60
8		अय्यावरम, पूर्वी गोदावरी (डी)	3एफ ऑयल पाम लिमिटेड	30
9		कोथापेटा, नेल्लोर (डी)	3एफ ऑयल पाम प्राइवेट लिमिटेड	10
10		पेदावेगी, एलुरु (डी)	एपीओआईएलएफईडी	24
11		गरिविडी, विजाइनगरम (डी)	राधिका वेजिटेबल ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड	25
12		टेकरनकांडी, कुरुपम, पार्वतीपुरम मान्यम (डी)	लक्ष्मी बालाजी ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड	15
13		बुचैयापेटा, अनाकापल्ली (डी)	संथी ऑयलपाम लिमिटेड	7
14		लिंगालवलसा, श्रीकाकुलम (डी)	श्री श्रीनिवास पाम ऑयल मिल	30
15		कोनासीमा (डी)	सर्वे साई एडिबल ऑयल्स लिमिटेड	5
16	गोवा	गोमल वेलगुएम वाया खड़की वालपोई सत्तारी, उत्तरी गोवा (डी)	गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड	2.5
17	कर्नाटक (03 मिल)	गंगावती, कोप्पल (डी)	3एफ ऑयल पाम लिमिटेड	5
18		काबिनी, मैसूर (डी)	कर्नाटक सरकार	2.5
19		हरिहारा, दावणगेरे (डी)	कल्पवृक्ष ऑयल पाम प्राइवेट लिमिटेड	5
20	केरल	येरूर, भारतीपुरम, कोल्लम (डी)	ओपीआईएल	20
21	ओडिशा	दासपल्ला, नयागढ़ (डी)	वैदेही पाम्स लिमिटेड	5
22	तमिलनाडु	वरणवासी, कांचीपुरम (डी)	गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड	2.5
23	तेलंगाना (04 मिल)	असवाराओपेट, असवाराओपेट, भद्राद्रि कोठागुडेम (डी)	टीएसओआईएलएफईडी	30
24		कोथागुडेम (डी)	टीएसओआईएलएफईडी	90
25		नर्मेटता (वी), सिद्धिपेट (डी)	टीएस ऑयल फेड.	30
26		अंजनापुरम (वी), खम्मम (डी)	गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड	30
क	कुल (आरओआई)	958.5 टीपीएच की क्षमता वाली 26 मिलें स्थापित की गई हैं।		
27	अरुणाचल प्रदेश (02 मिल)	पूर्वी सियांग (डी)	पतंजलि फूड्स लिमिटेड	5.0
28		दिबांग घाटी (डी)	3एफ ऑयल पाम लिमिटेड	10.0
29		बुकवान्नेई, कोलासिब (डी)	गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड	5.0
ख	कुल (एनईएस)	20.0 टीपीएच की क्षमता वाली 3 मिलें स्थापित की गई हैं।		
	कुल (क+ख)	978.50 टीपीएच की क्षमता वाली 29 मिलें स्थापित की गई हैं।		